

बजिली-अधशेष राष्ट्र बनने से चूका भारत

चर्चा में क्यों?

भारत एक बार फिर बहुत ही कम अंतर से बजिली-अधशेष राष्ट्र (Power Surplus Nation) बनने से चूक गया।

प्रमुख बदि

- वर्ष 2018-19 में पीक पॉवर डेफिसिटि (Peak Power Deficit) 0.8 फीसदी और कुल ऊर्जा घाटा 0.6 फीसदी रहने के कारण भारत ने बजिली-अधशेष राष्ट्र बनने का मौका गँवा दिया।
- केंद्रीय वदियुत प्राधिकरण (Central Electricity Authority- CEA) ने 2018-19 के लिये अपनी 'लोड जेनरेशन बैलेंसिंग रिपोर्ट' (Load Generation Balancing Report- LGBR) में क्रमशः कुल ऊर्जा और पीक पॉवर के आँकड़ों में 4.6 प्रतिशत और 2.5 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना व्यक्त की थी। इससे यह संकेत मलि रहा था कि इस वत्तीय वर्ष में भारत एक बजिली-अधशेष देश होगा।
- CEA ने वर्ष 2017 में भी अपने 'लोड जेनरेशन बैलेंसिंग रिपोर्ट' में अनुमान लगाया था कि भारत 2017-18 में एक शक्ति-अधशेष राष्ट्र बन जाएगा।
- लेकिन 2017-18 में भी पीक पॉवर डेफिसिटि 2.1 प्रतिशत और पूरे देश में कुल बजिली घाटा 0.7 प्रतिशत था।
- CEA के नवीनतम आँकड़ों के अनुसार, 2018-19 में पीक आवर्स के दौरान 177.02 गीगावॉट मांग के मुकाबले 175.52 गीगावॉट (जीडब्ल्यू) की आपूर्ति की गई थी जिस कारण 1.49 गीगावॉट या 0.8 प्रतिशत की कमी रह गई।
- आँकड़ों से पता चलता है कि 2018-19 के दौरान 1,274.56 बलियिन यूनटिस (बीयू) की मांग के मुकाबले 1,267.29 बलियिन यूनटि बजिली की आपूर्ति की गई, जिससे 7.35 बलियिन यूनटि या 0.6 प्रतिशत की कुल बजिली या ऊर्जा की कमी हुई।
- मार्च में 108.66 बीयू की मांग के मुकाबले 108.19 बीयू बजिली की आपूर्ति की गई थी। अतः मार्च 2019 के दौरान कुल ऊर्जा घाटा 0.4 प्रतिशत था।
- वशिषज्जों का कहना है कि यह स्थिति बजिली खरीदने में डसिक्ॉम के अक्षम नहीं होने के कारण है। इस साल जनवरी तक उनका कुल बकाया 40,698 करोड़ रुपए था
- भारत एक शक्ति-अधशेष राज्य हो सकता है क्योंकि इसकी स्थापति बजिली उत्पादन क्षमता लगभग 177 गीगावॉट की मांग के मुकाबले 356 गीगावॉट है
- बजिली उत्पादन को दोगुना किया जा सकता है बशर्ते वतिरण कंपनियों (डसिक्ॉम) अपने बकाए का भुगतान शीघ्र करें।

पीक पॉवर डेफिसिटि (Peak Power Deficit)

- पीक डमिंड, पीक लोड या ऑन-पीक ऊर्जा क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली शब्दावलयियाँ हैं।
- यह एक ऐसी अवधा को दर्शाती है जिसमें औसत आपूर्ति स्तर की तुलना में अधिक एवं नरितर बजिली प्रदान करने की उम्मीद की जाती है।
- इसी अवधा में उर्जा मांग की तुलना में उर्जा आपूर्ति की कमी पीक पॉवर डेफिसिटि कहलाती है।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस